दैनिक जागरण

Thu, 19 Sep 2019

Successful test of Vanshi Missile : वंशी मिसाइल का सफल परीक्षण, हवा में ही अस्त्र मिसाइल को मार गिराया

Successful test of Vanshi missile ओडिशा में हवा से हवा में मार करने वाली वंशी मिसाइल से अस्त्र मिसाइल को टारगेट किया गया था जिसमें वैज्ञानिकों को सफलता मिली है।

भुवनेश्वर: Successful test of Vanshi missile भारत एवं पाकिस्तान के बीच चल रही रसाकस्सी के बीच आज एक बार फिर भारत ने कम दूरी तक मार करने वाली वंशी मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। हवा से हवा में मार करने वाली वंशी मिसाइल से अस्त्र मिसाइल को टारगेट किया गया था, जिसमें वैज्ञानिकों को सफलता मिली है।

जानकारी के मुताबिक कलेईकुण्डा एयरवेश में सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान से बुधवार सुबह 10 बजकर 1 मिनट पर पहले अस्त्र को छोड़ा गया था। इसके कुछ समय बाद उसे टारगेट कर चांदीपुर के आईटीआर के तीन नंबर लांच पैड से कम दूरी वाले क्षेपणास्त्र (मिसाइल) वंशी को छोड़ा गया। हवा में ही वंशी ने अस्त्र को मार गिराने में सफलता हासिल किया है।

यहां उल्लेखनीय है कि पिछले 16 तारीख को कलेईकुण्डा एयरवेश से सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान से अस्त्र का व्यवहारिक परीक्षण किया गया था, जो कि पूरी तरह से सफल रहा। 3.8 मीटर लम्बी एवं 178 सेंटीमीटर मोटा यह क्षेपणास्त्र अपने साथ 154 किलोग्राम युद्धास्त्र ले जाने में सक्षम है। यह तरल इंधन से संचालित होता है। यह भारत की सबसे छोटी मिसाइल है। इसका कम एवं मध्यम दूरी के मिसाइल के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह 20 किमी. से 110 किमी. तक लक्ष्य भेद करने में सक्षम है। इसे भारतीय प्रतिरक्षा अनुषंधान प्रतिष्ठान ने तैयार किया है।

इनसे खौफ खाते हैं दुश्मन देश

ब्रह्मोस : भारत और रूस द्वारा विकसित यह दुनिया की सबसे अच्छी क्रूज मिसाइल है। इसकी रेंज 290 किलोमीटर और गति 4.5 मैक है।

आकाश: 700 किलोग्राम वजनी यह मिसाइल जमीन से हवा में मार कर सकने में सक्षम है। यह 25 किलोमीटर के रेंज में किसी भी उड़ती चीज को मार गिराने में सक्षम है।

अग्नि-5 : यह इंटर-कॉन्टिनेन्टल बैलिस्टिक मिसाइल है। 5500 किलोमीटर मारक क्षमता वाली इस मिसाइल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि समय आने पर इसकी रेंज का बढ़ाया जा सकता है।

अग्नि-4 : यह काफी हल्की और नई तकनीकों से लैस मिसाइल है। यह 4000 किलोमीटर से अधिक दूरी तक जमीन से जमीन पर मार करने में सक्षम है।

अग्नि-3 : एडवांस कम्प्यूटर और नेवीगेशन सिस्टम से लैस यह मिसाइल डेढ़ टन तक पेलोड ले जाने में सक्षम है। यह जमीन से जमीन पर 3500 किलोमीटर दूर वार कर सकती है।

अग्नि-2 : अत्याधुनिक नेवीगेशन सिस्टम और तकनीक से लैस यह मिसाइल एक टन का पेलोड ले जाने के साथ ही दो हजार किलोमीटर तक मार कर सकती है।

अग्नि-1 : इसे कम मारक क्षमता वाली मिसाइल के तौर पर विकसित किया गया है। यह 700 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम है और भारतीय सेना में शामिल हो चुकी है।

निर्भय: भारत की सबसोनिक क्रूज इस मिसाइल में ठोस रॉकेट मोटर बूस्टर के साथ टर्बोफैन इंजन लगा है। इसी वजह से इसकी रेंज 800 से 1000 किलोमीटर है। इसे हर मौसम में दागा जा सकता है।

नाग: चार किलोमीटर रेंज के साथ 42 किलो के वजन वाली यह मिसाइल फायर और फारगेट के आधार पर काम करती है। इससे जमीन से जमीन और हवा से जमीन पर दागा जा सकता है।

https://www.jagran.com/odisha/bhubaneshwar-successful-test-of-vanshi-missile-19589347.html

the pioneer

Thu, 19 Sep 2019

Waterless bath among IIT-D's innovations on show

By Gayathri Mani

New Delhi: Now, one can imagine having a hygienic, waterless bath and shampoo without using a single drop of water, a vegan scrambled egg consisting high proteins as Indian Institute of Technology-Delhi (IIT-D) is working on such innovations to help the people faced with water scarcity and to bring down the rate of animal slaughtering. Besides, the inventions such as bio-re-absorbable cardiac stent, water activated powerless heating system and a diagnostic tool for detecting cancer tissues, will be showcased at the 'Industry Day' event on Saturday.

The scrambled egg is created based on plant protein, which has the potential to address protein deficiency nutrition among large population that does not eat meat or egg protein.

The IIT with the Defence Research and Development Organisation (DRDO) is also working on to produce bullet proof jackets for the safety of soldiers. The jacket will be made with high technology that it can resist .9mm, AK 47, rifle rounds and moreover,

this jacket will be a less weighing jacket with 7kg as compared to the usual ones that weighs 10 kg.

The Industry Day 2019 is the flagship event of IIT-Delhi that aims to harness and promote the power of Industry-Academia collaboration, kindle ideas for cogent partnerships and showcase cutting edge research by the IIT-Delhi researchers.

The event which will be inaugurated by the Dr. VK Paul, Member, NITI Aayog will showcase more than 200 innovative product prototypes and posters by IIT Delhi researchers. The five themes for the third edition of Industry Day are Clean Energy for Sustainable Economy and Environment, Sustainable Medical Technologies, Emerging Nano and Advanced Materials, Sustainable Environment, and Make in India.

‘Research Café’ sessions have also been planned on the sidelines of this year’s event to facilitate interaction between IITD research scholars and CXOs of Industry. Another special feature will be a session on ‘Women in Science’ that will discuss the need for gender parity in various science disciplines by women personalities from various fields.

“To become an economic powerhouse, we as a nation, should work on our challenges and build on our strengths. AI based innovation in the area of healthcare, clean energy solutions to propel sustainability and efficient waste management solutions will be at the forefront of collaboration to deal with our current challenges. Industry driven research will also focus on creating jobs for our youth, and achieve our ambition of $5 trillion Indian economy. IIT Delhi’s Centres of Excellence are working with multiple Industrial partners towards this national vision,” said Professor V Ramagopal Rao, Director of IIT-Delhi.

Professor Rao, also added that the IIT is the top technological institute in the country that promote start-up and have abour 150 start-up projects.

After Sonipat, Science and technological park will also be set up in IIT- Delhi campus and Jhajjar to promote science and technology.

On Industry day, a live demo of some research-based products such as State-of-the-art research work on Personal Body Armour, UAV (Aerial Vehicle) and RoV (Underwater Vehicle), Waterless shampoo, waterless body and others. The event will also highlight the role of the two newly formed Centres of Excellence dedicated to the cause of sustainability including Centre for Automotive Research and Tribology (CART) for the promotion of interdisciplinary research in electric vehicle and related areas and ‘Waste to Wealth Technologies’ wherein the long-term goal is to create circular economic models for waste management.

https://www.dailypioneer.com/2019/state-editions/waterless-bath-among-iit-d---s-innovations-on-show.html